DAY — 02 SEAT NUMBER | | | | | | |

2022	VII	22	1030	J-502	(H)

HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (12 Pages) Max. Marks : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें।

(३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(१) गद्य विभाग [२०]

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

इन्हीं विचारों में डूबा हुआ बच्चा देर तक रोता रहा। इतने में खड़ाऊँ पहने हुए, हाथ में माला लिए हुए, रामनाम का जप करते हुए बाबा हरिदास कुटिया के अंदर आए और बोले - "बेटा! शांति करो। शांति करो।"

बैजू उठा और हरिदास जी के चरणों से लिपट गया। वह बिलख-बिलखकर रोता था और कहता था - "महाराज! मेरे साथ अन्याय हुआ है। मुझपर वज्र गिरा है! मेरा संसार उजड़ गया है। मैं क्या करूँ? मैं क्या करूँ?"

हरिदास बोले - "शांति, शांति।"

Scanned with CamScanner

बैजू - ''महाराज! तानसेन ने मुझे तबाह कर दिया! उसने मेरा संसार सूना कर दिया।''

हरिदास - ''शांति, शांति।''

बैजू ने हरिदास के चरणों से और भी लिपटकर कहा - ''महाराज! शांति जा चुकी। अब मुझे बदले की भूख है। अब मुझे प्रतिकार की प्यास है। मेरी प्यास बुझाइए।''

हरिदास ने फिर कहा- ''बेटा! शांति, शांति।''

बैजू ने करूणा और क्रोध की आँखों से बाबा जी की तरफ देखा। उन आँखों में आँसू थे और आहें थीं और आग थी। जो काम जबान नहीं कर सकती, उसे आँखें कर देती हैं, और जो काम आँखें भी नहीं कर सकतीं उसे आँखों के आँसू कर देते हैं। बैजू ने ये दो आखिरी हथियार चलाए और सिर झुकाकर खड़ा हो गया।

हरिदास के धीरज की दीवार आँसुओं की बौछार न सह सकी और काँपकर गिर गई। उन्होंने बैजू को उठाकर गले से लगाया और कहा- ''मैं तुझे वह हथियार दूँगा, जिससे तू अपने पिता की मौत का बदला ले सकेगा।''

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

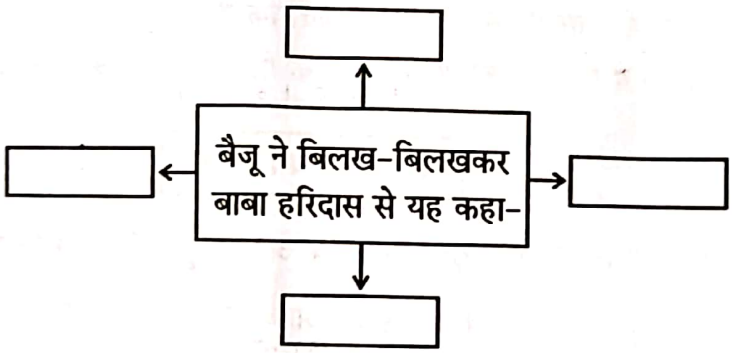

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) दुनिया –

(२) पाँव –

(३) बरबाद –

(४) अंतिम –

Scanned with CamScanner

(३) 'गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता' इस कथन के संबंध में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

पाप काँपता है और अब उसे लगता है कि इस वेग में वह पिस जाएगा-बिखर जाएगा। तब पाप अपना ब्रह्मास्त्र तोलता है और तोलकर सत्य पर फेंकता है। यह ब्रह्मास्त्र है - श्रद्धा।

इन क्षणों में पाप का नारा होता है - "सत्य की जय! सुधारक की जय!"

अब वह सुधारक की करने लगता है चरणवंदना और उसके सत्य की महिमा का गान और बखान।

सुधारक होता है करुणाशील और उसका सत्य सरल विश्वासी। वह पहले चौंकता है, फिर कोमल पड़ जाता है और तब उसका वेग बन जाता है शांत और वातावरण में छा जाती है सुकुमारता।

पाप अभी तक सुधारक और सत्य के जो स्तोत्र पढ़ता जा रहा था, उनका करता है यूँ उपसंहार "सुधारक महान है, वह लोकोत्तर है, मानव नहीं, वह तो भगवान है, तीर्थंकर है, अवतार है, पैगम्बर है, संत है। उसकी वाणी में जो सत्य है, वह स्वर्ग का अमृत है। वह हमारा वंदनीय है, स्मरणीय है, पर हम पृथ्वी के साधारण मनुष्यों के लिए वैसा बनना असंभव है, उस सत्य को जीवन में उतारना हमारा आदर्श है, पर आदर्श को कब, कहाँ, कौन पा सकता है?" और इसके बाद उसका नारा हो जाता है, "महाप्रभु सुधारक वंदनीय है, उसका सत्य महान है, वह लोकोत्तर है।"

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

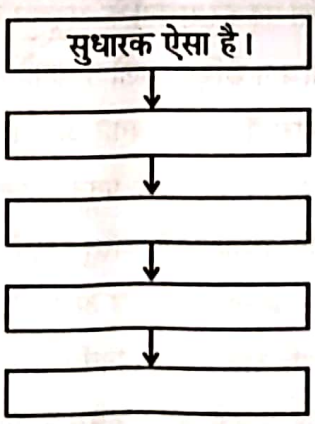

Scanned with CamScanner

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए विलोम शब्द लिखिए : (२)

(१) पुण्य × .....

(२) असत्य × .....

(३) पराजय × .....

(४) विष × .....

(३) 'समाज सुधारक समाज की बुराइयों को पूर्णत: समाप्त करने में विफल रहे' इस कथन पर ४० से ५० शब्दों में अपना मत लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (३ में से २): **(६)**

(१) "बैजू बावरा संगीत का सच्चा पुजारी है", इस विचार को स्पष्ट कीजिए।

(२) 'उड़ो बेटी, उड़ो! पर धरती पर निगाह रखकर', इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए।

(३) ओजोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए।

(ई) निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए (४ में से २): **(२)**

(१) सुदर्शन जी ने इस लेखक की लेखन परंपरा को आगे बढ़ाया है-

(२) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषाशैली -

(३) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य -

(४) सुदर्शन जी का मूल नाम -

(२) पद्य विभाग [२०]

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

कछु कहि नीच न छेड़िए, भलो न वाको संग।
पाथर डारै कीच मैं, उछरि बिगारै अंग।।
जो पावै अति उच्च पद, ताको पतन निदान।
ज्यों तपि-तपि मध्याह्न लौं, अस्तु होतु है भान।।
जो जाको गुन जानही, सो तिहि आदर देत।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौरी लेत।।
आप अकारज आपनो, करत कुबुध के साथ।
पाय कुल्हाड़ी आपने, मारत मूरख हाथ।।

Scanned with CamScanner

(१) आकृति पूर्ण कीजिए : (१)

(१) 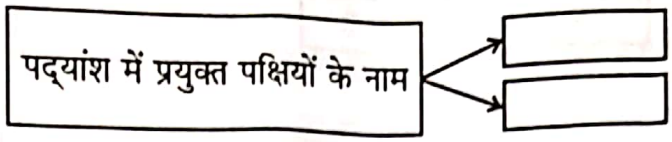

(२) उत्तर लिखिए : (१)

(i) सूर्य इस समय तपता है - .....

(ii) अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाला - .....

(२) निम्न शब्दों के लिए उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त शब्द लिखिए : (२)

(१) आम —

(२) पत्थर —

(३) साथ —

(४) नीम का फल —

(३) 'बुरी संगति का परिणाम' इस पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(६)**

दाता है पेड़ . . . . . .
जड़, तना, शाखा, पत्ती, पुष्प, फल और बीज
हमारे लिए ही तो है पेड़ की हर एक चीज़!
किसी ने उसे पूजा,
किसी ने उसपर कुल्हाड़ी चलाई
पर कोई बताए
क्या पेड़ ने एक बूँद भी आँसू की गिराई?
हमारी साँसों के लिए शुद्ध हवा
बीमारी के लिए दवा
शवयात्रा, शगुन या बारात
सभी के लिए देता है पुष्पों की सौगात
आदिकाल से आज तक
सुबह-शाम, दिन-रात
हमेशा देता आया है मनुष्य का साथ

Scanned with CamScanner

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

पेड़ इन रूपों में दाता है → (१) .....

(२) .....

(३) .....

(४) .....

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए : (२)

(१) सौगात —

(२) मनुष्य —

(३) सुबह —

(४) रात —

(३) 'जीवन में पेड़ का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ (२)

(३) पसंद के कारण (२)

(४) कविता का केंद्रीय भाव (१)

अथवा

'गुरुनिष्ठा और भक्तिभाव से ही मानव श्रेष्ठ बनता है' इस कथन के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (४ में से २) : (२)

(१) त्रिलोचन जी के काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(२) दोहा छंद की विशेषता लिखिए।

(३) डॉ. मुकेश गौतम जी की रचनाओं के नाम लिखिए।

(४) कैलास सेंगर जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए।

Scanned with CamScanner

(३) विशेष अध्ययन

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व,
शब्द, शब्द, शब्द .....
मेरे लिए नितांत अर्थहीन हैं -
मैं इन सबके परे अपलक तुम्हें देख रही हूँ
हर शब्द को अँजुरी बनाकर
बूँद-बूँद तुम्हें पी रही हूँ
और तुम्हारा तेज
मेरे जिस्म के एक-एक मूर्च्छित संवेदन को धधका रहा है
और तुम्हारे जादू भरे होठों से
रजनीगंधा के फूलों की तरह टप-टप शब्द झर रहे हैं
एक के बाद एक के बाद एक .....
कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व .....
मुझ तक आते-आते सब बदल गए हैं

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

कनुप्रिया के लिए कनु के अर्थहीन शब्द

(१) .....
(२) .....
(३) .....
(४) .....

(२) उपर्युक्त पद्यांश में आए हुए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) .....
(२) .....
(३) .....
(४) .....

Scanned with CamScanner

(३) 'व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए।

(२) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है', इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(४) व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली [२०]

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

(१) 'लालच का फल बुरा होता है', इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

स्नेहा ने सभी पर दृष्टि घुमाई। एक क्षण के लिए रुकी। फिर बोलने लगी, "फीचर के अनेक प्रकार हैं। उनमें से मुख्य रूप से निम्नलिखित हैं :"

- व्यक्तिपरक फीचर
- सूचनात्मक फीचर
- विवरणात्मक फीचर
- विश्लेषणात्मक फीचर
- साक्षात्कार फीचर
- विज्ञापन फीचर

"मैडम! हम जानना चाहते हैं कि फीचर लेखन करते समय कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए?" उसी विद्यार्थी ने जिज्ञासावश प्रश्न किया।

"बड़ा ही सटीक और तर्कसंगत प्रश्न पूछा है आपने" अब स्नेहा ने इस विषय पर बोलना प्रारंभ किया –

- "फीचर लेखन में मिथ्या आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए।
- अति क्लिष्ट और अलंकारिक भाषा का प्रयोग बिलकुल भी न करें।
- झूठे तथ्यात्मक आँकड़े, प्रसंग अथवा घटनाओं का उल्लेख करना उचित नहीं।
- फीचर अति नाटकीयता से परिपूर्ण नहीं होना चाहिए।
- फीचर लेखन में अति कल्पनाओं और हवाई बातों को स्थान देने से बचना चाहिए।"

Scanned with CamScanner

"इन सभी सावधानियों को ध्यान में रखेंगे तो आपका फीचर लेखन अधिकाधिक विश्वसनीय और प्रभावी बन सकता है। आपमें से किसी विद्यार्थी को फीचर के विषय में कुछ और पूछना है?" स्नेहा ने पूरी कक्षा पर नजर डाली। तभी एक विद्यार्थिनी ने अपना हाथ ऊपर उठाया। स्नेहा ने उससे प्रश्न पूछने के लिए कहा।

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

फीचर के प्रमुख प्रकार →

(१)

(२)

(३) 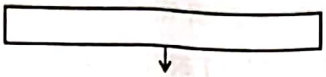

(४)

(२) परिच्छेद में से ढूँढ़कर निम्नलिखित शब्दों का वचन परिवर्तन कीजिए : (२)

(१) भाषाएँ —

(२) झूठा —

(३) सावधानी —

(४) कक्षाएँ —

(३) 'सावधानी के साथ किया गया कार्य सफल होता है' इस कथन के बारे में ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) उत्तम मंच संचालक बनने के लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए।

(२) ब्लॉग लेखन से क्या तात्पर्य है?

अथवा

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(१) आपने पल्लवन के लिए अच्छे उदाहरण दिए लेकिन भक्तिकालीन निर्गुण विचारधारा के संत ..... को आप भूल गए।

(१) कबीरदास (२) तुलसीदास

(३) सूरदास (४) दादु दयाल

(२) फीचर लेखन की प्रक्रिया के मुख्य ..... अंग हैं।

(१) चार (२) तीन

(३) पाँच (४) दो

Scanned with CamScanner

(३) स्मरण रहे - सूत्र संचालक मंच और श्रोताओं के बीच ..... का कार्य करता है।

(१) पुल (२) कड़ी

(३) जोड़ (४) सेतु

(४) ब्लॉग लेखन से ..... लाभ भी होता है।

(१) सांस्कृतिक (२) राजनीतिक

(३) आर्थिक (४) सामाजिक

(इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

"सुधा की माता तंगम और पिता के.डी. चन्द्रन को शास्त्रीय नृत्य के प्रति विशेष लगाव था। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि इकलौती संतान एक महान नर्तकी बने। इसीलिए वे केवल पाँच वर्ष की आयु में सुधा को बंबई के नृत्य विद्यालय 'कला सदन' में ले गए। वहाँ पर पहले तो गुरुओं ने आपत्ति जाहिर की कि सुधा की आयु अभी बहुत कम है। किंतु जब सुधा ने उनके द्वारा बताए गए मूल पद चारण को बड़ी कुशलता से नृत्य मुद्रा में दोहरा दिया तो वे नरम पड़ गए। उसे कला सदन में प्रवेश मिल गया।

स्पष्ट है कि सुधा में नृत्य की प्रतिभा जन्मजात थी। वह शीघ्र ही के.एस. रामस्वामी भागवतार की सबसे प्रिय शिष्य बन गई, जो कला सदन में ही नृत्य गुरु थे। सुधा का अरंगेत्रम १९७२ में हुआ। उसके बाद कुछ ही वर्षों में पश्चिम भारत तथा दक्षिण भारत के कुछ भागों में उसके नृत्य प्रदर्शनों की धूम मच गई। नृत्य से सुधा को गहरा लगाव था, लेकिन तब उसने यह नहीं सोचा था कि वह इसे पेशे के रूप में अपनाएगी। आख़िर उसकी कॉलेज की शिक्षा अभी पूरी नहीं हुई थी, इसलिए इस बारे में सोचने की जरूरत उस समय थी भी नहीं।

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

(१) सुधा के माता-पिता का नाम (१)

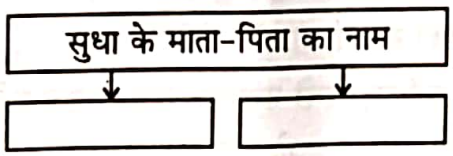

(२) सुधा के नृत्य प्रदर्शनों की धूम यहाँ मची (१)

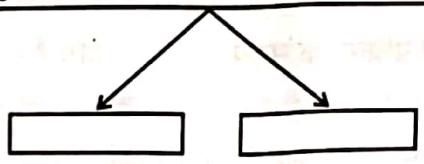

Scanned with CamScanner

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थी शब्द परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए: (२)

(१) पढ़ाई —
(२) काल —
(३) व्यवसाय —
(४) संकट —

(३) 'विद्यार्थी जीवन में अध्ययन का महत्त्व असाधारण होता है', इस कथन के संबंध में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के परिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(1) Announcer
(2) Deduction
(3) Expert
(4) Warning
(5) Balance
(6) Action
(7) Antibiotics
(8) Graphic Table

(५) व्याकरण [१०]

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए (४ में से २) : (२)

(१) मुकदमा दरबार में पेश होता है। (सामान्य भूतकाल)
(२) जॉर्ज बर्नार्ड शॉ का एक पैराग्राफ मैं पढ़ रहा था। (पूर्ण वर्तमानकाल)
(३) मौसी कुछ नहीं बोल रही है। (अपूर्ण भूतकाल)
(४) मैं इसके परिणाम की प्रतीक्षा करती हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(आ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (४ में से २): (२)

(१) सोहत ओढे पीत पट श्याम सलोने गात।
मनों नीलमनि शैल पर, आतप पड्यो प्रभात।।

(२) पड़ी अचानक नदी अपार।
घोड़ा उतरे कैसे पार ।।
राणा ने सोचा इस पार।
तब तक चेतक था उस पार ।।

(३) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात है, सिल पर पड़त निसान ।।

(४) चरण-कमल-सम कोमल।

Scanned with CamScanner

(इ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (४ में से २): (२)

(१) समदरसी है नाम तिहारो, सोई पार करो,
एक नदिया इक नार कहावत, मैलो नीर भरो,
एक लोहा पूजा में राखत, एक घर बधिक परो,
सो दुविधा पारस नहीं जानत, कंचन करत खरो।

(२) राम के रूप निहारती जानकी
कंकन के नग की परछाई,
यातै सबै सुधि भूलि गई,
कर टेकि रही पल टारत नाही।

(३) बिनु-पग-चलै, सुनै बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै, विधि नाना।
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु वाणी वक्ता, बड़ जोगी ।।

(४) श्रीकृष्ण के वचन सुन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर, करताल युगल मलने लगे।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (४ में से २): (२)

(१) जान बख्शना
(२) विवश होना
(३) जी-जान से काम करना
(४) उगल देना

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (४ में से २) : (२)

(१) नीराला जी भी इसी परीवार के सदस्य हैं।
(२) यह नारा उँच उठे रहता है।
(३) यह तो जिंदगि का अहम फैसाला है।
(४) इसमें ओजोन वीघटन की भी अहम भुमिका है।

◆◆◆

Scanned with CamScanner